Set – 2 **Inter (12th) History**

वस्तुनिष्ट–प्रश्न

1. हड़प्पा सभ्यता किस काल की सभ्यता है ?

(A) पुरा पाषाण काल (B) नव पाषाण काल (C) कास्य युग (D) लौह युग

2. हड़प्पा सभ्यता में सर्वप्रथम किस स्थल का उत्खनन हुआ है ?

(A) मोहन जोदड़ो (B) लोथस (C) हड़प्पा (D) कालीबंगन

3. पशुपति शिव की मुहर पर किस पशु का चित्र नहीं है ?

(A) हिरण (B) बाघ (C) साँड़ (D) भैंस

4. जनपद शब्द इंगित करता है।

(A) प्रशासनिक अधिकारी (B) धार्मिक सम्प्रदाय (C) सामाजिक इकाई (D) क्षेत्रीय इकाई

5. मौर्यकाल में राजकीय कृषि का प्रधान था –

(A) आकराध्यक्ष (B) सीताध्यक्ष (C) पण्याध्यक्ष (D) पौतवाध्यक्ष

6. शतसहसी संहिता का दूसरा नाम है ?

(A) वेद (B) रामायण (C) महाभारत (D) पुराण

7. मनु स्मृति में कितने प्रकार के विवा की चर्चा है ?

(A) चार (B) आठ (C) पाँच (D) छह

8. प्राचीनतम वेद कौन है ?

(A) ऋवेद (B) सामवेद (C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

9. ऋवैदिक कार्यों के सर्वप्रमुख देवता थे ?

(A) अग्नि (B) इन्द्र (C) वरूण (D) प्रजापति

10. आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक थे ?

(A) पूरण कश्यप (B) मखली गोशाल (C) अजित (D) पकुध कच्चायन

11. महात्मा बुद्ध को कहाँ ज्ञान प्राप्त हुआ है ?

(A) वैशाली (B) बोधगया (C) पटना (D) नेपाल

12. निर्गंव का अर्थ कया है ?

(A) बंधनहीन (B) बंधनयुक्त (C) संन्यासी (D) कोई नहीं

13. पाणिने की अष्टाध्यायी रचित है ?

(A) 450 ई०पू० (B) 500 ई० पू० (C) 400 ई० पू० (D) 200 ई०पू०

14. तम्बाकू का सेवन सर्वप्रथम किस मुगल सम्राट ने किया ?

(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

15. तम्बाकू पर किस शासक ने प्रतिबन्ध लगाया ?

(अ) अकबर (ब) बाबर (स) जहाँगीर (द) शाहजहाँ

16. शेख मुइनुद्दीन चिरती की दरगाह स्थित है ?

(अ) आगरा (ब) दिल्ली (स) अजमेर (द) फतेहपुर सिकरी

17. स्थापत्य कला का सर्वाधिक विकास किसके समय में हुआ ?

(अ) अकबर (ब) जहाँगीर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

18. आलमगीर के नाम से कौन–सा मुगल बादशाह जाना जाता है ?

(अ) जहाँगीर (ब) अकबर (स) शाहजहाँ (द) औरंगजेब

19. आमुक्तमाल्याद किसने लिखी ?

(अ) हरिहर–I (ब) बुक्का –I (स) देवराय – I (द) कृष्णदेवराय

20. कौन–सा विदेशी यात्री घोड़ों का व्यापारी था ?

(अ) अफनासीनिकितन (ब) फर्नाओ नूनीज (स) निकोलो कोण्टी (द) (अ) एवं (ब)

21. निम्न में से पुर्तगाली यात्री कौन था ?

(अ) एडुअर्डो बारबोसा (ब) डेमिंगौस पेइस (स) फन्नाओ नूनीज (द) इनमें से सभी

22. इब्नबतूता किस सुल्तान के शासनकाल में भारत आया था ?

(अ) मुहम्मद बिन तुगलक (ब) बलबन (स) रजिया (द) सिकंदर लोदी

23. अलबरूनी किसके साथ भारत आया ?

(अ) महमूद गजनी (ब) मोहम्मद गोरी (स) तैमूर (द) मोहम्मद बिन कासिम

24. 'किताब–उर–रेहला' में किसका यात्रा वत्तान्त मिलता है ?

(अ) अलबरूनी (ब) अब्दुर्रज्जाक (स) इब्नबतूता (द) वर्नियर

25. निम्न में से महिला रहस्यवादी सन्त थी ?

(अ) अंडाल (ब) कराइकल (स) रबिया (द) मीराबाई

26. निजामुद्दीन औलिया किस सूफी सिलसिले से समबन्धित है ?

(अ) चिश्ती (ब) सुहरावर्दी (स) कादिरी (द) फिरदौसी

27. पहाड़ी लोग किस प्रकार की खेती अपनाते है ?

(a) सीढ़ीदार खेती (b) झूम खेती (c) मौसमी (d) कोई नहीं

28. शिकमी–रैयत को बंगाल में जमीन पट्टे पर कौन देता है ?

(a) रैयत (b) कम्पनी (c) जमींदार (d) ट्टक्दोर

29. भारत का अंतिम मुगल शासक कौन था ?

(a) शाहजहाँ (b) बहादुर शाह जफर II (c) मुहम्मदशाह (d) बाबर

30. 1857 के बिद्रोह का मुख्य केन्द्र था ?

(a) उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश का बेन्देल खण्ड (b) पंजाब

(c) मद्रास एवं पूरे दक्षिण भारत (d) पूर्वी भारत

31. मद्रास में विश्वविद्यालय की स्थापना कब की गई ?

(a) 1855 (b) 1857 (c) 1834 (d) 1835

32. भारत में हड़प नीति का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता था ?

(a) रिपन (b) इलहौजी (c) क्लाइव (d) कार्नवालिस

33. 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा' का नारा किसने दिया ?

(a) भगत सिंह (b) मंगल पाण्डेय (c) सुभाष चन्द्र बोस (d) गाँधी जी

34. 'करो या मरो' का नारा किसने दिया ?

(a) महात्मा गाँधी (b) भगत सिंह (c) मंगल पाण्डेय (d) बोस

35. सविनय अकश आन्दोलन की शुरूआत कब हुई ?

(a) 12 मार्च 1930 (b) 12 मार्च 1931 (c) 30 मार्च 1931 (d) सभी

36. भारत छोड़ो आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया ?

(a) महात्मा गाँधी (b) सुभाष चन्द्र बोस (c) भगत सिंह (d) सरदार पटेल

37. असहयोग आन्दोलन का नेतृत्व किसने किया ?

(a) सिद्धू (b) महात्मा गाँधी (c) सरदार पटेल (d) भगत सिंह

38. असहयोग आन्दोलन को स्थगित कब किया गया था ?

(a) 1920 (b) 1922 (c) 1925 (d) 1930

39. लाला का पूरा नाम क्या था ?

(a) लाल बहादूर (b) लाला लाजपत राय (c) खुदीराम बोस (d) लाल सक्सेना

40. संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष कौन थे ?

(a) डॉ० सच्चिदानंद सिन्हा (b) डॉ० भीम राव अम्बेडकर

(c) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (d) जबाहर लाल नेहरू

भाग–II A

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q. 1. हड़प्पा सभ्यता के मनके किन पदार्थों से बनाए जाते थे ? इनको वनाने की विधि कया थी ?

Q. 2. अशोक के अभिलेखों के विषय में आप क्या जानते हैं ?

Q. 3. भारतीय सिक्कों का संक्षिप्त परिचय दें ।

Q. 4. कुल एवं जाति का अंतर स्पष्ट करें ।

Q. 5. मुगल शब्द की उत्पत्ति किस प्रकार हुई ?

Q. 6. विजयनगर के राजाओं के अन्तर्गत अमरनायक कौन थे ? वे क्या करते थे।

Q. 7. रेहला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

प्रश्न 8. उपनिवेशवाद का क्या अर्थ है ? उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न 9. फिरंगी शब्द का प्रयोग कयों किया गया ?

प्रश्न 10. भारत में जनगणना कब शुरू हुई ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न 11. हड़प्पा सभ्यता के स्तिार एवं तिथि पर टिप्पणी लिखें।

प्रश्न 12. मौर्य इतिहास के अध्ययन के प्रमुख श्रोत क्या है ? उनका संक्षितप्त परिचय दें।

प्रश्न 13. जाति–व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबरूनी की व्याख्या की चर्चा की जिये।

प्रश्न 14. मुगल काल में पांडुलिपि किस प्रकार तैयार की जाती थी ? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।

प्रश्न 15. 1857 ई० के विद्रोह की असफलता के कारणों वर्णन करें।

(14) अ (15) स (16) स (17) स (18) द

(19) द (20) द (21) द (22) अ (23) अ

(24) स (25) स (26) अ

(27) b (28) a (29) b (30) a (31) b (32) b

(33) c (34) a (35) a (36) a (37) b (38) b

(39) b (40) a

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर :–

1. हड़प्पा सभ्यता के मनके अर्द्धबहुमूल्य पत्थर सेलखड़ी, फयान्स, मिट्टी, ताम्बा, कांसा, सोना, संख इत्यादि से वनाए जाते थे। ये सुन्दर एवं बेलनाकाद, गोलाकार और ढोलनाकार आदि। मनके को कई तरह से बनाए जाते थे। कुछ मनके दो पत्थरों को जोड़कर बनाए जाते थे। कुछ के शीर्ष पर सोना लगाया जाता था। इन्हें सुन्दर चित्रों से सुसज्जित किया जाता था। कुल पत्थरों को आग में पकाकर कुछ को घिसकर पॉलिश की जाती थीं मनकों से मुख्यतः आभूषण वनाए जाते थे।

2. अशोक और उसके वाद के मौर्य सम्राटों के अध्ययन के लिए अभिलेख महत्वपूर्ण साक्ष्य है। अशोक के अभिलेखों को प्रकाश में लाने का श्रेय जेम्स प्रिंसेप को है। वह अंग्रेजी कंपनी का पदाधिकारी था। 1837 ई० में उन्होंने एक अभिलेख को पढ़ा जिसपर ब्राह्मी लिपि और प्राकृत भाषा में 'देवानांपिय' पियदस्सी अर्थात देवों के प्रिय प्रियदर्शी का उल्लेख था। 1915 में इसी प्रकार का एक अन्य लेख प्राप्त हुआ जिनपर पियदस्सी अशोक खुदा हुआ था। इस आधार पर पियदस्सी शब्द वाले अभिलेख अशोक के माने गए। अशोक के अभिलेख अनेक प्रकार के हैं। जैसे – वृहत शिलालेख, लघु शिलालेख, स्तंमलेख, गुहालेख आदि।

3. सिक्कों के प्रचलन से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला। भारत के प्राचीनतम सिक्के आहत सिक्के हैं। इनका चलन छठी शताब्दी ईसवी पूर्व में आरंभ हुआ। ये चाँदी और ताम्वा के बने थे। इनपर सिर्फ कुछ चिन्ह बने थे। इन्हें जारी करने की आकृति एवं लेखा नहीं है। चिन्हों के आधार पर ही इन्हें राजवंशों से जोड़ा गया है। संभवतः कुछ सिक्के व्यापारियों एवं धनी नागरिकों द्वारा भी जारी किए गए। मयूर के छाप वाले सिक्के मौर्यों के माने गए। मौर्यों ने सिक्कों को ढालने पर राजकीय नियंत्रण स्थापित किया। हिन्द यूनानियों के समय से सिक्कों को ढ़ालने में क्रांतिकारी परिवर्तन आया। सोने के सिक्के सर्वप्रथम इन्होंने ही जारी किया। सातवाहनों ने भी मूल्यवान धतु के सिक्के चलाए। ईसा के छठी शताब्दी तक सिक्कों की संख्या कम हो गयी।

4. कुल शब्द परिवार का दयोतक है। ये कुल बड़े समूह का एक भाग होता है। यह बड़ा समूह वांधवों अथवा संबंधियों का समूह होता है। यही बांधवों अथवा संबंधियों का बड़ा समूह जाति कहलाता है। परिवार एवं जाति में अटूट संबंध होता है। यह रक्त संबंधों पर आधारित होता है। इस जाति विभिन्न सगा संबंधियों एवं बंधु–बांधवों का बड़ा समूह होता है जबकि कुल उस समूह का एक भाग अथवा छोटा हिस्सा होता है।

Q.5. मुगल शब्द की उत्पत्ति किस प्रकार हुई ?

Ans :- मुगल शब्द की उत्पत्ति मंगोल शब्द से हुई मुगलों ने स्वयं इस विशेषण का प्रयोग नहीं किया क्योंकि पितृपक्ष से वे तैमूर के वंशज थे और तैमूरी कहलाते थे तथा मातृपक्ष से बाबर चंगेज खाँ से सम्बन्धित था। सोहलवीं सदी के यूरोपीय इतिहासकारों ने बाबर और उसके परिवार के लिए मुगल शब्द का प्रयोग किया।

Q.6. विजयनगर के राजाओं के अन्तर्गत अमरनायक कौन थे ? वे क्या करते थे।

Ans :- विजयनगर साम्राज्य में राजा सैनिक व असैनिक अधिकारियों को उनकी विशेष सेवाओं के बदले भूमि प्रदान करते थे। इस प्रकार की भूमि अमरम कहलाती थी। इसके प्राप्तकर्त्ता अमरनायक कहलाते थे। अमरनायक अपने भू–क्षेत्र के कृषकों, शिल्पियों एवं व्यापारियों से भू–राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। अमरनायक वर्ष में एक बार राजा को भेंट भेजते थे।

Q.7. रेहला पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Ans :- 'रेहला' इब्नबतूता का यात्रा वृतान्त है, जिसे इब्न जुजये ने 1353 ई० में इब्नबतूता के मोरक्को लौटने के पश्चात अजाइबुल अफसार नाम से लिया था। इतिहासकार मेंहदी हसन ने इस पुस्तक का नाम रेहला रखा। इसमें इब्नबतूता के यात्रा के उद्देश्य एवं आरम्भ पर लिखा गया है। साथ ही तुगलककालीन न्याय व्यवस्था, सड़क व्यवस्था तथा डाक व्यवस्था का भी जिक्र है। भारत से किए जाने वाले अन्य देशों की यात्रा का भी वर्णन है। इब्नबतूता ने मोहम्मद बिन तुगलक को अभी तक सुल्तानों में सर्वाधिक विनम्र एवं न्यायप्रेमी कहा है।

लघु

प्रश्न (8) उपनिवेशवाद का क्या अर्थ है ? उदाहरण सहित समझाए।

उत्तर – उपनिवेशवाद वह विचार धारा है जिसमें एक शक्तिशाली देश दूसरे कमजोर देश पर अधिकार कर लेता है और उनके संसाधनों का मनमाने ढ़ँग से उपयोग करने लगता है।

भारत कभी ब्रिटेन का एक उपनिवेश था। ब्रिटेन के उपनिवेशवाद की बजह से ही भारत गुलाम हुआ और उसके संसाधनों का शेषण हुआ।

प्रश्न (9) फिरंगी शब्द का प्रयोग क्यों किया गया ?

उत्तर – यह फारसी भाषा का शब्द है जो संभवतः फ्रैंक (जिससे फ्रांस का नाम पड़ा है) से निकला है।

इसे उर्दू और हिन्दी में पश्चिम के लोगों का मजाक उड़ाने के लिए कभी–कभी इसका प्रयोग अपमानजनक दृष्टि से किया जाता था।

प्रश्न (10) भारत में जनगणना कब शुरू हुई ?

उत्तर – (i) अखिल भारतीय जनगणना का प्रथम प्रयास 1872 ई० में किया गया।

(ii) इसके 1881 से दशकीय जनगणना की एक नियमित व्यवस्था बन गई। भारत में नगरीकरण का अध्ययन करने के लिए जनगणना से निकले आंकड़े एक बहुमूल्य स्त्रोत हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर –

11. हड़प्पा सभ्यता विश्व के प्राचीनतम सम्यताओं में सवसे विस्तृत एवं विशाल माना जाता है। आरंभ में हड़प्पा सभ्यता के दो प्रमुख स्थल हड़प्पा तथा मोहन जोदड़ों प्रकाश में आए। विगत वर्षों में हड़प्पा संस्कृति से सम्बद्ध लगभग 2800 स्थल भारतीय उपमहाद्वीप के बलुचिस्तान, सिंध, पंजाब, जम्मू काश्मीर, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र, काठियावाड़ तथा पिश्चमी उत्तर प्रदेश की सीमा तक ढूढे गए हैं। यह सभ्यता उत्तर में मांदा, दक्षिण में दैमावाद पश्चिम में सांतकांगेदोर एव पूर्व में आलमगीरपुर तक फैला हुआ था।

हड़प्पा सभ्यता में तीन प्रकार के स्थल थे – (i) आरंभिक (ii) विकसित एवं (iii) उत्तरकालीनं पूर्ण विकसित हड़प्पा स्थलों की संख्या 1022 है। इसमें 406 पाकिस्तान में एवं 616 भारत में है। यह सभ्यता लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ था। यह प्राचीन नदी घाटी सभ्यताओं में सवसे अधिक विस्तृत थी।

हड़प्पा सभ्यता की तिथि संबंधी अनेक अवधारण है। विभिनन विद्वानों में भिन्न–भिन्न तिथियाँ सुझाई है। कुछ विद्वानों के अनुसार इसका विकास 3250–2750 ई० पूर्व के मध्य हुआ। जॉन मार्शल इसका विकास काल तीन हजार वर्ष ई० पूर्व मानता है। मार्टिनर व्हीलर इसका काल 2500 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व के मध्य मानता है।

आधुनिक अनुसंधानों के आधार पर इस सभ्यता के तीन चरण माने जाते हैं। प्रथम चरण (i) 3500–2700 ईसा पूर्व, द्वितीय चरण (ii) 2600–1900 ईसा पूर्व तथा तृतीय चरण जो अंतिम चरण (iii) 1900 ई० पूर्व से 1200 ई० पूर्व के मध्य माना जाता है। C सी–कार्वन 14 के अनुसार इसका काल 2350–17500 के मध्य माना जाता है।

12. मौर्य के इतिहास की जानकारी के लिए विविध श्रोत उपलब्ध है। इनमें संस्कृत, पालि तथा प्राकृत में लिए गए विविध ग्रंथ विदेशी यात्रियों के विवरण तथा पुरातात्विक साक्ष्य सम्मिलित है। पुराण जो संस्कृत में लिख गए, बौद्ध ग्रंथ जो पालि में लिखे गए जैसे दीपवंश, मंहावंश, दिव्यावदान, अशोकावदान हैं। प्राकृत में रचित जैन ग्रंथ परिशिष्ट पर्व से मौर्यों की विजय की जानकारी मिलती है। संस्कृत में विशाखदत्त रचित मुद्रा राक्षस नाटक भी मौर्यों के आरंभिक इतिहास के अध्ययन के लिए उपयोगी है। लेकिन साहित्यिक श्रोतों में सवसे अधिक महत्वपूर्ण है– कौटिल्लय का अर्थशास्त्र एवं मेगास्थनिज की इंडिका। मौर्यवंश विशेष रूप से चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रशासन के अध्ययन के लिए अथशास्त्र सवसे अधिक महत्वपूर्ण है। मेगास्थनिज ने अपनी कृति इंडिका में चन्द्रगुप्त मौर्च एवं तत्कालीन व्यवस्था का आँखों–देखा विवरण प्रस्तुत किया है।

पुरातात्विक श्रोत में अभिलेखों सिक्कों, स्तंमाभिलेख, लधु शिलालेख, वृहत शिक्षा लेख, गूहा लेख एवं मृद्मांड प्रमुख हैं। अशोक कालीन प्रस्तर स्तंभ मौर्यकालीन कला का अनूठा नमूना है। बिहार के गया जिला में बराबर एवं नागार्जुनी की पहाड़ियों में मौर्यकालीन गुफाएँ प्रकाश में आई है। इन कलाकृतियों से भी मौर्यों के विषय में जानकारी मिलती है। अशोक के अभिलेख जो ब्राह्मणी लिपि एवं प्राकृत भाषा में लिखी गई है, को 1837 ई० में ईस्ट इंडिया के अधिकारी प्रिन्सेप ने पढ़ा थां साम्राजय के सभी दिशाओं में अशोक कालीन वृहत, लघु एवं स्तंभलेख मिले हैं।

इस प्रकार मौर्यों के इतिहास लेखन में बहुतायत मात्रा में साहित्यिक तथा पुरातात्विक श्रोत मौजूद हैं।

Q.13. जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में अलबरूनी की व्याख्या की चर्चा कीजिये।

Ans :- अलबरूनी अपनी पुस्तक किताब–उल–हिन्द के नॉवें अध्याय में भरतीय जाति व्यवस्था पर विस्तार में प्रकाश डालता है। वह अन्य देशों के साथ तुलनात्मक अध्ययन करते हुए भारतीय जाति व्यवस्था का वर्णन करता है। वह प्राचीन फरस के चार सामाजिक वर्णों का उल्लेख करता है। इन चार वर्णों के अन्दर अलग–अलग उपजातियाँ थी, जैसे कि हिन्दुओं के गोत्र होते हैं। साथ ही वह बताया है कि इस्लाम में सभी लोगों को समान माना जाता है और उसमें भिन्नता केवल धर्मिकता के पालन में थी।

<u>वर्णव्यवस्था</u> :– भारतीय जाति व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए अलबरूनी कहता है कि हिन्दू पुस्तकों के अनुसार ब्रह्म के लिए ब्राह्मण वर्ण की उत्पति हुई है। बाहुओं से क्षत्रिय, जंघा से वैश्य एवं पेसे से शूद्र वर्ण की उत्पत्ति हुई है। शूद्रों के पश्चात अन्त्यज लोग हैं जो नाना प्रकार के सेवा कार्य करते हैं, जिनकी आठ जातियाँ हैं। ये आठ जातियाँ–धुनिये, मोची, मदारी, टोकरी और ढाल बनाने वाले, नाविक, मछली पकड़ने वाले, आखेट करने वाले एवं जलाहे हैं। चण्डालों की गणना किसी वर्ण या जाति में नहीं होती। उनका व्यवसाय गाँव की सफाई, प्रभूति मैले कर्म करना हैं उनका जन्म शूद्र पिता ओर ब्राह्मण माता के व्यविचार से हुआ है अतः वे पति, निष्काषित एवं अपवित्र है।

Q.14. मुगल काल में पांडुलिपि किस प्रकार तैयार की जाती थी? इसकी मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।

Ans :- पांडुलिपि का अर्थ है हाथ से लिखी हुई किताबें। मुगलकाल में एक किताबखाना नामक विभाग होता था जिसमें पांडुलिपियाँ तैयार की जाती थीं यहाँ तैयार पांडुलिपियों का संग्रह किया जाता था तथा नई पांडुलिपियाँ तैयार की जाती थी। उनकी रचना कई चरण में पुरी की जाती थी। सबसे पहले कागज तैयार

किया जाता था। फिर सुन्दर अक्षरों में इस पर लिखा जाता था। तत्पश्चात सभी लिखे हुए पृष्ठों को एकत्रित करके जिल्दसाज उसे अंकृत आवरणों के साथ सिलते थे तथा अंतिम रूप प्रदान करते थे।

सुलेखों की कई शैलियाँ थी किन्दु 'नस्तलिक' अकबर की पसंदीदा शैली थी।

मुगलकाल की पाुडुलिपियों की विशेषताएँ –

(i) सुनियोजित तरीके से तैयार की जाती थी।

(ii) इन्हें कई बार सोने एवं चाँदी के पानी से भी अलंकृत किया जाता था।

(iii) अक्षरों की समानता पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाता था।

(iv) जिल्दसाजी बहुत अच्छे तरीके से की जाती थी।

(v) इनकी गुणवत्ता का पूरा–पूरा ध्यान रखा जाता था।

(vi) कई बार इसमें लेखों के अतिरिक्त घटनाओं का वर्णन चित्रों के माध्यम से भी किया जाता था।

दीर्घ

Q.**15. 1857 ई० के विद्रोह की असफलता के कारणों का वर्णन करें।**

Ans :- **1857 ई० के विद्रोह की असफलता के निम्न लिखित कारण थे।**

(i) समय से पहले घटित होना :– बिद्रोह की निर्धारित तिथि **31** मई **1857** थी। लेकिन चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग करने से इनकार करने और दमन के कारण समय से पहले ही सिपाही भड़क उठे, जिससे अंग्रेज चौकन्ने हो गए और उन्होंने संभावित खतरों को बूरी तरह से कुचल दिया।

(ii) नेतृत्व कर्त्ता का अभाव :– पूरे विद्रोह का संचालन करने वाला एक नेता नहीं था। सभी अपने–अपने क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे थे। ऐसी स्थिति में आपसी तालमेल नहीं हो सका।

(iii) असंतुष्ट राजाओं का नेतृत्व :– जमींदार और देशी राजा अंग्रेजों से प्रसन्न नहीं थे। अतः मौका मिलते ही विद्रोह में शामिल हो गए। जनसाधारण उनके साथ नहीं था क्यों कि वे भी अंग्रेजों की तरह उन्हें शोषण के प्रतीक नजर आते थे।

(iv) युद्ध समाग्री और रसद का अभाव–अंग्रेजी सेना के पास बंदुकें और तोपें थी, परन्तु भारतीय लोग लाठी, भाले, फारसे, कुल्हाड़ी आदि से लड़े। उनके पास खाने–पीने का समान भी नहीं था और न ही अन्य कोई साधन था जिसके द्वारा वे हथियारों और अन्न की आशा करते।